



जन, धन, वैभव से भले, हो कितना धनवान ।
साहस, धैर्य, दया बिना, निर्धन है इंसान ॥
सद्गुण से ही व्यक्ति को, मिलता है सम्मान ।
विनयशील व्यवहार है, गुरुता की पहचान ॥

आगरा, अलीगढ़, झांसी, बस्ती, कानपुर से एक साथ प्रकाशित

नजरिया सच का...

रविवार 12 जुलाई 2026, विक्रम सम्वत-2083, मास- आषाढ मास, नक्षत्र-मृगशिरा, तिथि-त्रयोदशी, पक्ष- कृष्ण पक्ष, वर्ष-01, अंक-129, पेज- 08, मूल्य- 2 रुपये

RNI-UPHIN/25/A3912

नरेंद्र शर्मा 'नरेंद्र'

वियतनाम में नाव हादसा

15 भारतीयों की मौत

• फुक्वोक द्वीप के पास पर्यटक नाव पलटी, 21 लोगों को बचाया गया, लापता यात्रियों की तलाश जारी

वियतनाम(एजेंसी)। वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फुक्वोक द्वीप के निकट शनिवार को एक दर्दनाक नाव हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। हादसे के समय नाव पर कुल 36 लोग सवार थे, जिनमें 32 भारतीय नागरिक शामिल थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अधिकांश भारतीय पर्यटक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के निवासी थे। नाव पलटने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, वियतनामी कोस्ट गार्ड और राहत दल मौके पर पहुंचे। अब तक 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि लापता यात्रियों की तलाश के लिए व्यापक सर्च ऑपरेशन जारी है।



भारतीय दूतावास ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। परिजनों की सुविधा के लिए दूतावास ने हेलपलाइन नंबर +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14 और +84 33 452 0414 जारी किए हैं। विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास वियतनामी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। इस दुखद हादसे ने विदेश यात्रा के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बंगाल में कानून और यूसीसी पर बड़ा दांव

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर सरकार ने दो बड़े कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने गुंडागर्दी, हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी समाज विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए नए एंटी-गुंडा कानून की तैयारी की है। प्रस्तावित प्रावधानों के अनुसार ऐसे मामलों में आरोपियों को अधिकतम 12 महीने तक हिरासत में रखा जा सकेगा। साथ ही सार्वजनिक और निजी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई के लिए एक विशेष आयोग का गठन भी किया जाएगा।



दूसरी ओर, राज्य में यूसीसी लागू करने की दिशा में भी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रस्तावित कानून के मसौदे की समीक्षा और उसे अंतिम रूप देने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त

न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति बनाई गई है। सरकार की योजना इस मसौदे को विधानसभा के अगस्त सत्र में पेश करने की है। प्रस्ताव के अनुसार आदिवासी समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने का सुझाव दिया गया है। इन दोनों फैसलों को राज्य की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस सवाल पर टंडन का जवाब वायरल



न्यूजीलैंड(एजेंसी)। न्यूजीलैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान एक स्थानीय पत्रकार ने पूर्व विदेश सचिव और वरिष्ठ भारतीय राजनयिक रुद्रेंद्र टंडन से पूछा कि पीएम मोदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं की। इस पर टंडन ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह सवाल उन्हें डेजा वू जैसा एहसास कराता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक सिविल सर्वेंट होने के नाते वे प्रधानमंत्री की राजनीतिक कार्यशैली पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन उसका संदर्भ जरूर बता सकते हैं।

टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एक ऐसे भारतीय नेता हैं जो मीडिया

हमारा और भारत का डीएनए एक हैं: अफगान मंत्री

अफ गानिस्तान(एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच अफगानिस्तान ने भारत के प्रति दोस्ती का मजबूत संदेश दिया है। भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के कृषि मंत्री मौलवी अताउल्लाह ओमरी ने दोनों देशों के गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों की खुलकर तारीफ की। मंत्री ने कहा, हमारा और भारत का डीएनए एक है। भारत आकर ऐसा लगा जैसे मैं अपने ही देश और अपने ही लोगों के बीच हूँ। उन्होंने भारत की मेहमाननवाजी और साझा सांस्कृतिक विरासत को विशेष रूप से सराहा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओमरी का यह वक्तव्य पाकिस्तान के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। भारत-अफगानिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक, धार्मिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच विकास, शिक्षा और कृषि क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल



विशाखापत्तनम(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय नौसेना में अत्याधुनिक स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को औपचारिक रूप से शामिल कर लिया गया। शुक्रवार को यहां आयोजित समारोह में राजनाथ सिंह ने इस स्वदेशी पोत को नौसेना को सौंपा। यह पोत मझगांव डॉक लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है और इसमें लगभग 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। आईएनएस महेंद्रगिरि हवा, सतह और पानी के नीचे से आने वाले

• राजनाथ सिंह ने 75% स्वदेशी युद्धपोत को समर्पित किया, ब्रह्मोस तैनाती की संभावना

किसी भी खतरे से एक साथ निपटने में सक्षम है। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की तैनाती भी की जा सकती है, जो इसकी मारक क्षमता को और बढ़ाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने

कहा कि आंध्र प्रदेश अब देश के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में एक नई ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने स्वदेशीकरण पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय नौसेना को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना की लड़ाकू क्षमता को मजबूत करने वाला अहम युद्धपोत है। यह पनडुब्बी रोधी युद्ध, वायु रक्षा और सतही हमलों में प्रभावी साबित होगा। इसकी कमीशनिंग से भारत की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।



सम्पादकीय

मोबाइल की स्क्रीन पर छिड़ा नया युद्ध

आज युद्ध का अर्थ केवल सीमाओं पर सैनिकों की तैनाती, गोलियों की गूँज या मिसाइलों के प्रहार तक सीमित नहीं रह गया है। तकनीक के इस दौर में युद्ध का सबसे खतरनाक मोर्चा हमारी हथेली में मौजूद मोबाइल फोन बन चुका है। झूठी खबरें, फर्जी वीडियो, डीपफेक और सोशल मीडिया पर फैलाया जाने वाला दुष्प्रचार अब किसी भी देश की सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। करोड़ों लोग प्रतिदिन सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाएं प्राप्त करते हैं और बिना सत्यापन के उन्हें आगे भी भेज देते हैं। यही लापरवाही कई बार अफवाहों को सच का रूप दे देती है। सांप्रदायिक तनाव, भीड़ हिंसा, चुनावी माहौल या किसी राष्ट्रीय संकट के दौरान फैलने वाला दुष्प्रचार समाज में अविश्वास और विभाजन की खाई गहरी कर देता है। विदेशी तत्व भी इसी कमजोरी का लाभ उठाकर भारत की सामाजिक समरसता को घोट पहुंचाने का प्रयास करते हैं। निरसंदेह सरकार ने साइबर सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी नियमों और फर्जी सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। लेकिन केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक नागरिक स्वयं डिजिटल रूप से जागरूक नहीं बनेंगे, तब तक इस अदृश्य युद्ध में जीत संभव नहीं है। हर संदेश को सत्य मान लेना, बिना जांचे साझा करना और भावनाओं में बहकर प्रतिक्रिया देना, अनजाने में दुष्प्रचार करने वालों की सहायता करना है। समय की मांग है कि डिजिटल साक्षरता को राष्ट्रीय अभियान बनाया जाए। विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों और समाज के हर वर्ग तक तथ्य-जांच की संस्कृति विकसित करनी होगी। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जागरूक नागरिक होते हैं, न कि वायरल संदेश। भारत की सीमाओं की रक्षा हमारे सैनिक करते हैं, लेकिन देश के सामाजिक ताने-बाने की रक्षा प्रत्येक नागरिक के हाथ में है। यदि हम सत्य और असत्य में अंतर करने की क्षमता विकसित कर लें, तो कोई भी डिजिटल षड्यंत्र हमारी राष्ट्रीय एकता को कमजोर नहीं कर सकेगा। आधुनिक भारत की सुरक्षा अब सीमा चौकियों के साथ-साथ हर मोबाइल स्क्रीन पर भी तय हो रही है।

सन्त कुमार भारद्वाज

बोनट पर 'PRESS', शीशे पर 'POLICE'... और स्टीयरिंग पर 'जुगाड़'!

अरे भइया! आज भोले चौराहे पर खड़ा-खड़ा देश की सड़कों निहार रहा था। तभी एक कार आई... आगे मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा था-प्रेस। पीछे शीशे पर चमक रहा था-पुलिस। और डैशबोर्ड पर तिरंगे के साथ आर्मी का स्टिकर भी मुस्कुरा रहा था। भोले ने सोचा, वाह! लगता है लोकतंत्र, कानून और देशभक्ति तीनों एक ही गाड़ी में सफर कर रहे हैं।

पास जाकर देखा तो साहब परिवार समेत शादी में जा रहे थे। तब भोले के मुंह से निकला-वाह रे भारत! यहां पहचान नहीं, स्टिकर सफर करता है।

आज देश की सड़कों पर गाड़ियों से ज्यादा पहचान के बोर्ड दौड़ रहे हैं। किसी के बोनट पर प्रेस चिपका है, किसी के शीशे पर पुलिस, तो किसी की नंबर प्लेट के



ऊपर आर्मी ऐसे चमक रही है, मानो ट्रैफिक नियमों से आजादी का सरकारी लाइसेंस मिल गया हो।

भोले पूछता है, क्या स्टिकर लगते ही गाड़ी वीआईपी हो जाती है? क्या प्रेस लिख देने से हर लालबत्ती हरी हो जाती है? क्या पुलिस लिखते ही हेलमेट, सीट बेल्ट और चालान छुट्टी पर चले जाते हैं?

दिवक्तर सिर्फ दिखावे की नहीं है। असली खतरा तब पैदा होता है जब यही नकली पहचान असली अपराध की ढाल बन जाती है। अपराधी सम्मानित संस्थाओं के नाम का इस्तेमाल कर लोगों का भरोसा जीतते हैं, जांच से बचने की कोशिश करते हैं और कानून को आंख दिखाते हैं। बदनामी होती है उन पत्रकारों, पुलिसकर्मियों और सैनिकों की, जिन्होंने अपनी पहचान

देश में सबसे सस्ती चीज अगर कोई बची है, तो वह कुछ लोगों के लिए स्टिकर वाली शान है। असली पहचान पसीने से बनती है, प्रिंटर से नहीं। बोनट पर चाहे जितना बड़ा प्रेस या पुलिस लिखा लो, कानून की नजर आखिर नंबर प्लेट ही पढ़ती है।

मेहनत, ईमानदारी और सेवा से बनाई है।

अब कई जगह ऐसे वाहनों की जांच की बातें हो रही हैं। लेकिन भोले कहता है, जांच केवल स्टिकर की नहीं, नीयत की भी होनी चाहिए। कार्रवाई केवल आम आदमी पर नहीं, उन रसूखदारों पर भी हो जो प्रभाव दिखाने के लिए सरकारी पहचान को निजी शोभा बना लेते हैं।

—आजकल कुछ लोग गाड़ी पर प्रेस ऐसे लिखवाते हैं जैसे डॉक्टर की डिग्री हो, पुलिस ऐसे चिपकाते हैं जैसे रिश्तेदारी का प्रमाणपत्र हो, और आर्मी ऐसे सजाते हैं जैसे देशभक्ति भी अब बाजार में मिलने लगी हो।

सेन्टी गुरु

चिता की बुझी आग और विकास का धुआं

विकास भारद्वाज

बरसात की उस रात केवल बादल नहीं बरसे थे, सत्ता के दावों का रंग भी बह गया था। पानी ने सिर्फ लकड़ियों को नहीं भिगोया, बल्कि उन भाषणों, शिलान्यासों और विकास के नारों की चमक भी धो डाली, जो वर्षों से गांवों की चौपालों में गूंजते रहे हैं। धिमिरी के श्मशान में बुझी एक चिता ने ऐसा प्रश्न खड़ा कर दिया, जिसका उत्तर किसी सरकारी विज्ञापन, किसी मंचीय भाषण या किसी चुनावी घोषणा में नहीं मिलता।

कहा जाता है कि विकास गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच चुका है। लेकिन जब किसी परिवार को अपने प्रियजन का अंतिम संस्कार भी सम्मानपूर्वक करने का अधिकार न मिले, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर विकास पहुंचा कहाँ? जिस श्मशान में एक साधारण टीनशेड तक नहीं, वहां करोड़ों की योजनाओं का गुणगान ग्रामीणों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा प्रतीत होता है।

सबसे अधिक पीड़ा उस दृश्य ने दी, जब मूसलाधार बारिश ने जलती चिता को बुझा दिया। परिजनों की आंखों में आंसू थे, कंधों पर जिम्मेदारियां थीं और सामने व्यवस्था की असफलता खड़ी थी। अगले दिन फिर लकड़ियां



जिस गांव में बारिश चिता बुझा दे और व्यवस्था आंखें मूंद ले, वहां विकास के पोस्टर नहीं, संवेदनाओं का शोकपत्र टंगा दिखाई देता है।

खरीदी गई, फिर चिता सजाई गई और फिर अंतिम संस्कार हुआ। यह केवल एक परिवार का दुख नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल की विफलता का प्रतीक है, जिसमें चमकते भवन तो बन जाते हैं, लेकिन श्मशान की छत भूल जाती है।

ग्रामीणों का दर्द किसी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष का विषय नहीं है। उनका प्रश्न सीधा है—जब चुनाव के समय हर गली तक जनप्रतिनिधियों के कदम पहुंच सकते हैं, तो श्मशान तक विकास की एक छोटी-सी छत क्यों नहीं पहुंची? क्या अंतिम यात्रा की गरिमा किसी योजना की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए? विकास केवल सड़कों, स्वागत द्वारों और उद्घाटनों का नाम नहीं है। विकास वह है, जो जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य की गरिमा की रक्षा करे। यदि किसी गांव में अंतिम संस्कार जैसी

संवेदनशील घड़ी भी प्राकृतिक विपदा के भरोसे छोड़ दी जाए, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। आज आवश्यकता आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, आत्ममंथन की है। सत्ता और जनप्रतिनिधियों को यह समझना होगा कि ग्रामीण भारत केवल चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि भावनाओं का जीवंत संसार है। वहां श्मशान की छत भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितना किसी शहर का पलाईओवर।



आज का राशीफल

मेष : कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
वृषभ : रुके काम पूरे होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा।
मिथुन : नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वाणी में संयम रखें।
कर्क : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा शुभ रहेगी।
सिंह : आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी-व्यापार में लाभ के योग हैं।
कन्या : मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
तुला : दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
वृश्चिक : विरोधियों पर बढ़त मिलेगी। अनावश्यक विवाद से बचें।
धनु : भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।
मकर : कार्यों में सतर्कता रखें। धैर्य से निर्णय लें।
कुंभ : नए संपर्क लाभ देंगे। कारोबार में प्रगति होगी।
मीन : मन प्रसन्न रहेगा। शुभ समाचार मिलने के योग हैं।

आज का पंचांग

12 जुलाई 2026, विक्रम संवत्- 2083 (सिद्धार्थी), रविवार, आषाढ़ मास, नक्षत्र- मृगशिरा (दोपहर 11:20 बजे तक), उसके बाद आर्द्रा, पक्ष- कृष्ण पक्ष, तिथि- त्रयोदशी (रात 10:30 बजे तक), उसके बाद चतुर्दशी, वर्षा ऋतु (द्विक ऋतु: वर्षा)। अभिजीत मुहूर्त - सामान्य (लगभग 12:03 पीएम इ 12:56 पीएम)। सूर्योदय : 05:53 एएम, सूर्यास्त : 07:12 पीएम, चन्द्रोदय : 03:05 एएम (13 जुलाई), चन्द्रास्त : 05:26 पीएम (12 जुलाई)।

बिहार की शिक्षा व्यवस्था : कागजी उपलब्धियों के बीच एमडीएम और स्वच्छता पर गंभीर सवाल

- पं. रमेश मिश्र, शिक्षक

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का सबसे सशक्त आधार मानी जाती है, किंतु जब विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन (एमडीएम) और स्वच्छ वातावरण ही उपलब्ध न हो, तब शिक्षा के दावों की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। बिहार में सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था को लेकर लगातार उठ रहे सवाल इसी ओर संकेत करते हैं कि योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक अपेक्षित रूप में नहीं पहुंच पा रहा है। इसका सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों पर पड़ रहा है। वर्तमान व्यवस्था में मध्याह्न

भोजन, विद्यालयों की सफाई, चौकीदार, बेंच-डेस्क और अन्य आवश्यक सेवाओं का संचालन बड़े पैमाने पर गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के माध्यम से कराया जा रहा है। उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना था, लेकिन अनेक स्थानों से मिल रही शिकायतें इस मॉडल की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। एक ही संस्था के जिम्मे दर्जनों विद्यालय होने के कारण भोजन की गुणवत्ता, मात्रा और समयबद्ध आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई अभिभावकों का कहना है कि बड़ी संख्या में बच्चे विद्यालय का मध्याह्न भोजन नहीं खाते, जिससे योजना का मूल उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है। स्वच्छता की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। विद्यालयों में सफाई कर्मियों को समय पर भुगतान न मिलने की शिकायतें आम हैं। परिणामस्वरूप कई स्कूलों में शौचालयों और परिसर की नियमित सफाई नहीं हो पाती। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के



स्वास्थ्य, उपस्थिति और अध्ययन के वातावरण पर पड़ता है। प्रधानाध्यापक और शिक्षक भी कई बार विभाग तथा सेवा प्रदाता संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करने तक सीमित रह जाते हैं, जबकि वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता। यदि इन शिकायतों में तथ्य हैं, तो यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि गरीब विद्यार्थियों के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। सरकार को चाहिए कि मध्याह्न भोजन और स्वच्छता जैसी मूलभूत योजनाओं का स्वतंत्र एवं नियमित सामाजिक ऑडिट कराए, भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी बनाए और जवाबदेही तय करे। शिक्षा केवल भवन, नामांकन और आंकड़ों से बेहतर नहीं होती, बल्कि बच्चों को सम्मानजनक वातावरण, पौष्टिक भोजन और स्वच्छ परिसर उपलब्ध कराने से मजबूत बनती है। यदि इन बुनियादी आवश्यकताओं की अनदेखी होती रही, तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा।

सिकंदरा में सजेगी जनकपुरी !

रविवार को होगी
आधिकारिक घोषणा,
भावना एस्टेट क्षेत्र को
मिल सकती है मेजबानी

जिला नजर संवाददाता

आगरा। रामलीला महोत्सव के तहत आयोजित होने वाले भव्य जनकपुरी महोत्सव की मेजबानी इस बार सिकंदरा स्थित भावना एस्टेट क्षेत्र को



मिलने की संभावना है। रामलीला कमेटी रविवार, 12 जुलाई को शाम 6 बजे रामलीला मैदान के निकट स्थित राम हनुमान मंदिर में इसकी आधिकारिक घोषणा करेगी। शनिवार को विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल की अध्यक्षता में जनकपुरी आवंटन समिति की बैठक हुई, जिसमें प्राप्त आवेदनों और सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की गई। महामंत्री राजीव अग्रवाल ने महोत्सव को भव्य, गरिमामय और ऐतिहासिक बनाने पर जोर दिया। सूत्रों के अनुसार, इस बार भावना एस्टेट क्षेत्र के निवासियों को जनकपुरी महोत्सव आयोजित करने का अवसर मिल सकता है। बैठक में भगवान दास बंसल, ताराचंद अग्रवाल, विजय गोयल, टी.एन. अग्रवाल, संजय तिवारी, मुकेश जौहरी, संजय सिंघल, प्रवीण बंसल, अंजुल बंसल, मनोज अग्रवाल, आनंद मंगल और राहुल गौतम सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। जनकपुरी की घोषणा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है।

7 घंटे नाले में तड़पती रही गर्भवती गाय



आगरा। स्मार्ट सिटी आगरा में नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। वॉटर वर्क्स स्थित जलकल विभाग के सामने खुले गहरे नाले में गिरी एक गर्भवती गाय करीब सात घंटे तक तड़पती रही। आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद नगर निगम की रेस्क्यू टीम समय पर मौके पर नहीं पहुंची। आखिरकार क्षेत्रीय पार्षद किशन नायक स्वयं सफाईकर्मियों के साथ नाले में उतरे और कड़ी मशक्कत के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकाला। पार्षद का आरोप है कि कई विभागों के अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद घंटों तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। नगर आयुक्त से शिकायत के बाद निगम की टीम मौके

नगर निगम पर लापरवाही
के आरोप, पार्षद ने खुद
नाले में उतरकर बचाई
बेजुबान की जान

पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू पूरा हो चुका था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नगर निगम की आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि बरसात के मौसम में खुले नालों को सुरक्षित करना और त्वरित रेस्क्यू व्यवस्था सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

गोवंश की चपेट में आने से वृद्धा की मौत, बेटा घायल

फतेहाबाद/आगरा। आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर बाजिदपुर के पास शुक्रवार शाम को आवारा गोवंश की लड़ाई एक परिवार पर भारी पड़ गई। सड़क पर लड़ रहे गोवंशों की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटे घायल हो गए। उपचार के दौरान वृद्ध महिला की मौत हो गई, जबकि बेटा घायल है। नगला सिंधी थाना क्षेत्र के गांव कुतकपुर साहब निवासी चतुर सिंह अपनी मां प्रेमा देवी के साथ बड़ी बसई से घर लौट रहे थे। बाजिदपुर के पास सड़क पर दो आवारा गोवंश आपस में लड़ रहे थे। इसी दौरान दोनों गोवंश अचानक उनकी बाइक से टकरा गए, जिससे मां-बेटे सड़क पर गिर पड़े। हादसे में प्रेमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि चतुर सिंह को भी चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को फतेहाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्रेमा देवी को आगरा रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वृद्धा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है।

ताला बनाने आए, लाखों
के जेवर लेकर हुए फरार

आगरा। शाहगंज क्षेत्र की अयोध्या कुंज कॉलोनी में ताला ठीक करने के बहाने घर में घुसे दो युवकों पर लाखों रुपये के जेवरात चोरी करने का आरोप लगा है। पीड़ित राहुल सिंह के अनुसार, अलमारी का ताला ठीक कराने के लिए बुलाए गए दोनों कारीगर मौका मिलते ही तिजोरी से जेवर समेटकर फरार हो गए। वारदात के बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन आरोप है कि कई दिनों तक उन्हें थाने और चौकी के चक्कर कटवाए गए। आखिरकार छह दिन बाद मुकदमा दर्ज किया गया।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बालगंज स्थित एक होटल तक पहुंची, जहां चोरी से जुड़े दो संदिग्ध मिलने की बात सामने आई। पीड़ित का आरोप है कि पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया और वे बाद में फरार हो गए। यह भी आरोप है कि उनके मोबाइल जब्त नहीं किए गए और होटल से भी पर्याप्त पूछताछ नहीं हुई।

नकली दवा सिंडिकेट पर सबसे बड़ा प्रहार

• 58 लाइसेंस रद्द, 9 एफआईआर, करोड़ों की संदिग्ध दवाएं जब्त

जिला नजर संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने नकली दवाओं और सरकारी सप्लाई की दवाओं की री-लेबलिंग करने वाले बड़े सिंडिकेट पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है।

जांच में खुलासा हुआ कि सरकारी अस्पतालों की दवाओं पर नए एमआरपी स्टिकर लगाकर उन्हें खुले बाजार में बेचा जा रहा था। कार्रवाई के दौरान 58 थोक दवा लाइसेंस रद्द या निलंबित, 9 एफआईआर दर्ज और करीब 3.63 करोड़ रुपये की संदिग्ध दवाएं जब्त की गई हैं।

एफएसडीए की टीम ने शहर की 13 दवा फर्मों पर एक साथ छापेमारी कर दो प्रतिष्ठान सील किए, जबकि कई अन्य की बिक्री पर रोक लगा दी। जांच में फर्जी बिल, बिना कोल्ड-चेन रखी इंसुलिन और री-लेबलिंग के



सबूत भी मिले। एसटीएफ ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एफएसडीए आयुक्त रोशन जैकब

ने कहा कि पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है और नकली दवाओं के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

फर्जी जमीन कारोबार का गैंग बेनकाब

करोड़ों की जमीनों के फर्जी दस्तावेज बनाकर ठगी का आरोप, गैंगस्टर एक्ट में महिला समेत तीन गिरफ्तार

जिला नजर संवाददाता

आगरा। फर्जी दस्तावेजों के सहारे करोड़ों रुपये की जमीनों का खेल करने वाले गिरोह पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लोगों को सस्ती जमीन का लालच देते थे और फर्जी मालिकाना हक दिखाकर प्लॉट व जमीन बेचकर लाखों की ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों में देवरी रोड स्थित ताल सेमरी निवासी राजकुमार पुत्र कालू, नीरज पुत्र विशाल सिंह तथा एक महिला शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपियों



के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह के नेटवर्क और अन्य साथियों की तलाश जारी

है। साथ ही फर्जी दस्तावेजों के जरिए की गई अन्य जमीनों की खरीद-फरोख्त की भी जांच की जा रही है। पुलिस पूछताछ में कई अहम

खुलासे होने की उम्मीद है। कार्रवाई के बाद जमीन कारोबार में फजीवांदा करने वालों में हड़कंप मच गया है।

फतेहाबाद से सपा ने फूँका चुनावी बिगुल

सम्मेलन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मिले मनोनयन पत्र, 2027 के लिए बूथ से लेकर जनता तक पहुंचने का आह्वान

जिला नजर संवाददाता

फतेहाबाद/आगरा। नगर के एकता गार्डन में आयोजित समाजवादी पार्टी के सम्मेलन में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीति पर मंथन हुआ। सम्मेलन में पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में एकजुटता बढ़ाने और जनसंपर्क अभियान तेज करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष उदल सिंह कुशवाहा ने फतेहाबाद नगर कार्यकारिणी के एक दर्जन से अधिक नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपकर उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और



राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विकास कार्यों को घर-घर तक पहुंचाए।

उन्होंने आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना सभी कार्यकर्ताओं का साझा लक्ष्य है।

सम्मेलन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेश शर्मा, डॉ. रामसेवक,

हेमंत यादव, संतोष पाल, मनोज यादव, महेश सिसोदिया, रूपाली दीक्षित, महेश गुप्ता, असलम खान, वेद प्रकाश गुप्ता, आशीष शर्मा, सौरभ शर्मा, नीरज चक, विवेक शर्मा, सुनील शर्मा, सुनील नीलम सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में संगठन को मजबूत कर 2027 में सपा की सरकार बनाने का संकल्प दोहराया।

डंपर की टक्कर से छात्र की दर्दनाक मौत

ग्वालियर में हादसे का शिकार हुआ 12वीं का छात्र, शव घर पहुंचते ही परिवार और गांव में पसरा मातम



जिला नजर संवाददाता

जैतपुर/आगरा। ग्वालियर में शुक्रवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में जैतपुर के 19 वर्षीय छात्र अतुल शुक्ला की दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव जैतपुर स्थित घर पहुंचा, परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

नंदगावां रोड निवासी बीएसएफ जवान विमल शुक्ला के तीन बेटों में मझले अतुल ग्वालियर में रहकर 12वीं की पढ़ाई कर रहे थे। परिजनों के अनुसार, वह स्कूटी से बाजार जा

रहे थे, तभी एक अनियंत्रित डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्राम प्रधान प्रदीप यादव ने बताया कि अतुल मेधावी और होनहार छात्र था, जिसकी असमय मौत से पूरा गांव गमगीन है। घटना की जानकारी मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष उदल सिंह कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण वर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेश यादव, गौरीशंकर खैर सहित कई नेताओं ने परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

अतिरिक्त दहेज मांगने का आरोप

फतेहपुर सीकरी/आगरा। फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के गांव चौमा शाहपुर निवासी स्वतंत्रता उर्फ मानवी ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष के छह लोगों के विरुद्ध अतिरिक्त दहेज की मांग, उत्पीड़न एवं संबंधित आरोपों को लेकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की तहरीर के आधार पर

पति समेत छह ससुरालीजनों पर मुकदमा दर्ज

पति कुलदीप, ससुर माखन, सास कुंतेस, ननद रितु, ननद आकृति तथा नंदोई अमल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

पीड़िता का आरोप है कि विवाह के बाद उससे अतिरिक्त 2 लाख रुपए दहेज की मांग की गई तथा बुलेट मोटरसाइकिल की मांग की मांग पूरी न होने पर उसका उत्पीड़न किया गया। शिकायत के आधार पर थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्यवाई की जाएगी।

बाबा बफार्नी के जयकारों से गूंजा जैतपुर

अमरनाथ यात्रा से लौटे 47 श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत, बोले—दर्शन कर जीवन हुआ धन्य



जिला नजर संवाददाता

जैतपुर/आगरा। अमरनाथ यात्रा पूरी कर लौटे जैतपुर के 47 श्रद्धालुओं का शुक्रवार रात नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। बाबा बफार्नी के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा।

यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कठिन मौसम और दुर्गम रास्तों के बावजूद बाबा बफार्नी की कृपा से यात्रा सफल रही। राजू नौपुत्रा, सर्वेश मिश्रा, गुड्डू बिधौलिया और ब्रजेश कुशवाहा ने कहा कि बाबा के दिव्य दर्शन कर जीवन धन्य हो गया। उन्होंने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, भोजन और

ठहरने की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की भी सराहना की। श्रद्धालुओं के चेहरों पर आस्था और संतोष साफ झलक रहा था। स्वागत समारोह में केके यादव, राजू सविता, नेमीचंद कुशवाहा, ओमवीर सिंह, राजू भदौरिया, राजेश महेरे, नीरज देवी, मधु, अनीता, राजू ब्रजवासी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नगरवासी उपस्थित रहे।

लकड़ी से लदी मैक्स पकड़ने के बाद भी नहीं थम रहा हरे पेड़ों का कटान

फतेहाबाद/आगरा। वन विभाग ने शनिवार को फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग पर हरे पेड़ों की लकड़ी से लदी एक मैक्स गाड़ी को पकड़कर अपने कब्जे में ले लिया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध कटान को लेकर एक बार फिर वन विभाग की कार्यप्रणाली चर्चा में आ गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में आए दिन हरे पेड़ों की कटाई हो रही है, लेकिन प्रभावी कार्रवाई के अभाव में वन माफियाओं के हाँसले बुलंद हैं। उनका कहना है कि शिकायतों के बावजूद कई मामलों में केवल औपचारिक कार्यवाई कर दी जाती है, जिससे अवैध कटान पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी विशाल सिंह राठौर ने बताया कि हरे



पेड़ों की कटी हुई लकड़ी से लदी एक मैक्स गाड़ी बरामद की गई है। मामले की जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि पेड़ों की कटाई संबंधित पेड़ स्वामी ने की है या किसी अन्य व्यक्ति ने। जांच के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्यवाई की जाएगी।

डिवाइडर से टकराई रोडवेज बस, टला बड़ा हादसा



फतेहाबाद/आगरा। दिल्ली से बाह जा रही उत्तर प्रदेश रोडवेज की एक बस शनिवार को फतेहाबाद क्षेत्र में पारस डेयरी के पास अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का आगे का पहिया निकल गया और बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया तथा पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया और अन्य यात्रियों को सुरक्षित दूसरी रोडवेज बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना कराया। हादसे के चलते कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर बस के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने की बात सामने आई है। हादसे के बाद रोडवेज बसों की फिटनेस और नियमित रखरखाव को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया।

तेज रफ्तार कार ने मारी बाइक को टक्कर

फतेहाबाद/आगरा। तहसील रोड स्थित टंकी के पास शनिवार को तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फतेहाबाद पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए आगरा रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान पठपुरा कल्याणपुर निवासी प्रदीप पुत्र ब्रह्मजीत और राहुल पुत्र राजेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों युवक मीटपुरा में वीडियोग्राफी के बकाया रुपये लेने जा रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। थाना प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस वाहन और चालक की तलाश में जुटी है तथा मामले की जांच की जा रही है।



मथुरा के राधारानी मंदिर में वीआईपी दर्शन पर बवाल

- श्रद्धालु से कथित मारपीट का वीडियो वायरल, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुटी पुलिस

जिला नजर संवाददाता

मथुरा। बरसाना स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री राधारानी मंदिर में वीआईपी दर्शन को लेकर हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया है। शुक्रवार शाम मंदिर परिसर में सेवायत पक्ष और एक श्रद्धालु के बीच कहासुनी के बाद कथित मारपीट होने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी अशोक कुमार अपने परिवार के साथ दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे थे। आरोप है कि वीआईपी गेट से प्रवेश को लेकर सेवायत पक्ष के कुछ लोगों से विवाद हो गया, जो बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था और कथित अवैध वसूली को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इस तरह की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। थाना प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। पुलिस



वायरल वीडियो और मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा नगर निगम को मिले नए नगर आयुक्त

- आईएस ओजस्वी राज संभालेंगे कमान, जग प्रवेश बने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय में निदेशक



मथुरा। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत मथुरा नगर निगम के नगर आयुक्त जग प्रवेश का तबादला कर उन्हें वन एवं पर्यावरण मंत्रालय में निदेशक पद पर नियुक्त किया है। उनके स्थान पर वर्ष 2020 बैच के आईएस अधिकारी एवं बलिया के मुख्य विकास अधिकारी रहे ओजस्वी राज को मथुरा का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। उनके शनिवार को कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। उत्तराखंड निवासी ओजस्वी राज ने बीटेक की शिक्षा प्राप्त की है और बलिया में लगभग तीन वर्षों के कार्यकाल के दौरान विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय

भूमिका निभाई। उन्होंने स्थानीय उत्पाद सत्तू की आधुनिक ब्रांडिंग और पैकेजिंग के जरिए उसे नई पहचान दिलाई, जिससे सैकड़ों महिलाओं और किसानों को रोजगार के अवसर मिले। वहीं, निवर्तमान नगर आयुक्त जग प्रवेश ने अपने कार्यकाल में नगर निगम की कई विकास परियोजनाओं को गति दी और लंबित कार्यों को समयबद्ध पूरा कराने पर विशेष जोर दिया। अब शहर की स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं और विकास योजनाओं को लेकर नए नगर आयुक्त ओजस्वी राज की कार्यशैली पर सभी की निगाहें रहेंगी।

मथुरा-वृंदावन में तीन दिन थमंगे ऑटो-ई-रिक्शा के पहिए

मथुरा। मथुरा-वृंदावन में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 12 से 14 जुलाई तक तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियन के अनुसार नगर निगम क्षेत्र के करीब 27 हजार चालक इस आंदोलन में शामिल होंगे। हड़ताल के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा सेवाएं पूरी तरह बंद रहने की संभावना है, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मथुरा-वृंदावन ऑटो यूनियन के अध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से पुलिस और संबंधित विभागों की कार्रवाई से चालक वर्ग परेशान है। मामूली कारणों पर भारी चालान और वाहन सीज किए जा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि रूट नंबर आवंटन के नाम पर शुल्क लिया गया, लेकिन पार्किंग सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। चालकों की मांग है कि रूट सिस्टम समाप्त किया जाए, भारी चालान और वाहन सीज करने की कार्रवाई पर रोक लगे तथा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। समाचार लिखे जाने तक जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई थी।



एच-19 हाईवे पर दो वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत, बाल-बाल बचे चालक

मथुरा। छाता तहसील क्षेत्र में कोसी और छाता के बीच एच-19 हाईवे पर दो वाहनों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। गंभीरतम रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और वाहन सवार सुरक्षित बच गए। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर के कारण यह हादसा हुआ। अचानक हुई टक्कर के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनने लगी और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दोताना चौकी प्रभारी अंशुमान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया और दोनों पक्षों को शांत कराया। इसके बाद दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए थाने भिजवाया गया। पुलिस टीम ने हाईवे पर यातायात व्यवस्था को भी तत्काल सुचारु कराया, जिससे लंबा जाम लगने की स्थिति नहीं बनी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ की सराहना की।

गुरु शरणानंद जी के आश्रम में आदि तीर्थ नैमिष पुस्तक समर्पित



मथुरा। बृजमंडल के समाजसेवी, राधारानी के कृपा पात्र कर्तव्य परायण वरिष्ठ पत्रकार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मथुरा के जिला अध्यक्ष बिनोद अग्रवाल के सौजन्य से परम पुनीत तिथि एकादशी में हम सब के अग्रज संत स्वभाव के धनी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवीप्रसाद गुप्ता के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में बृजमंडल क्षेत्र के 84 खम्भा नंदभवन गोकुल लीलाधारी भगवान कृष्ण की जन्म भूमि एवं कई धर्मस्थलों के दर्शन का परम सौभाग्य प्राप्त होने के साथ भगवान के सेवक आचार्य श्री पप्पन गुरु के सहयोग से रमणरेती आश्रम के गुरु शरणानंद महाराज

से संत दर्शन की बलवती इच्छा लेकर आश्रम प्रवेश हुआ। गुरु शरणानंद महाराज जी से भेंट दर्शन का सौभाग्य बृजमंडल क्षेत्र से बाहर होने के कारण प्राप्त नहीं हुआ, परन्तु वहां के प्रमुख मीडिया प्रभारी महाराज श्री हरदेवानंद महाराज जी से आत्मीय भेंट हुई, उनको बलराम मिश्रा द्वारा रचित आदि तीर्थ नैमिष आध्यात्मिक, साहित्यिक-सांस्कृतिक सामाजिक अति पवित्र ग्रंथ समर्पित किया गया। गुरु शरणानंद महाराज जी से आशीर्वाचन प्राप्त करने का अनुरोध किया, जिसे पूज्य श्री हरदेवानंद जी महाराज ने सहर्ष स्वीकार किया।

थाना समाधान दिवस में सुनीं जनसमस्याएं

- एसपी ग्रामीण ने तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया, शेष मामलों के लिए संयुक्त टीम गठित

जिला नजर संवाददाता

मथुरा। थाना समाधान दिवस के तहत शनिवार को थाना राया में पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। कार्यक्रम के

दौरान कुल आठ शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से तीन मामलों का दोनों पक्षों को सुनने के बाद मौके पर ही समाधान करा दिया गया।

शेष पांच शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। एसपी ग्रामीण ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का एक सप्ताह के भीतर मौके पर जांच कर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं



की जाएगी। प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए

शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस में पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मैं गांधी या हीरो नहीं, खुद के नायक खुद बनने:

सोनम वांगचुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कॉंग्रेस जनता पार्टी के साथ भूख हड़ताल पर बैठकर पर्यावरण और क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर अपना आंदोलन जारी रखा है। हड़ताल को मिल रहे व्यापक जनसमर्थन पर उन्होंने सभी का शुक्रिया अदा किया। वांगचुक ने कहा, लोग मुझे आधुनिक दौर का गांधी या 21वीं सदी का नायक बताते हैं, लेकिन मैं न तो गांधी हूँ और न ही कोई हीरो। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी दूसरे व्यक्ति में नायक तलाशने की बजाय हर व्यक्ति को खुद अपना हीरो बनना चाहिए। वांगचुक का यह बयान युवाओं और आम नागरिकों में खासा चर्चित हो रहा है। उन्होंने आंदोलन के दौरान पर्यावरण संरक्षण, पानी की कमी और लद्दाख की अनदेखी हो रही समस्याओं पर भी प्रकाश डाला। उनके इस संदेश ने लोगों को प्रेरित किया है कि बदलाव के लिए दूसरों पर निर्भर रहने की जगह स्वयं जिम्मेदारी उठाएं। वांगचुक का आंदोलन जारी है और समर्थकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

स्ट्रोक में हर सेकंड कीमती, समय पर इलाज से बच सकती है जान



लखनऊ। स्ट्रोक एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें समय पर उपचार मिलने से मरीज की जान बचाने के साथ स्थायी विकलांगता के खतरे को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह बात मेदांता हॉस्पिटल में आयोजित स्ट्रोक जागरूकता कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कही। उन्होंने बताया कि भारत में हर वर्ष लगभग 18 से 20 लाख लोग स्ट्रोक का शिकार होते हैं। डायरेक्टर न्यूरोलॉजी डॉ. अनूप कुमार टक्कर ने कहा कि चेहरे का टेढ़ा होना, हाथ-पैर में अचानक कमजोरी या बोलने में परेशानी जैसे लक्षण दिखते ही मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्ट्रोक के इलाज में शुरूआती साढ़े चार घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और इस दौरान आईवी थ्रोम्बोलाइसिस से मरीज की विकलांगता का खतरा काफी कम किया जा सकता है। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने कहा कि स्ट्रोक के इलाज में हर सेकंड अहम है। जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली और समय पर चिकित्सा ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। विशेषज्ञों ने जिला अस्पतालों में थ्रोम्बोलाइसिस, सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने और गंभीर मरीजों के लिए ड्रिप एंड शीट व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया। साथ ही पुनर्वास केंद्रों, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और नई तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने उच्च रक्तचाप, मधुमेह, धूम्रपान और मोटापे पर नियंत्रण को स्ट्रोक की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय बताया।

जिला नजर

"जिला नजर" हिन्दी दैनिक का प्रकाशन एवं संपादन सन्त कुमार द्वारा जिला नजर कार्यालय, धिमिश्री, फतेहाबाद, जनपद आगरा (उ.प्र.)-283125 से किया जाता है तथा इसका मुद्रण पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसनस प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, गुरु का ताल, सिकंदरा रोड, आगरा (उ.प्र.) से किया जाता है।
स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक : सन्त कुमार

कार्यालय : जिला नजर, धिमिश्री, फतेहाबाद, आगरा (उ.प्र.)-283125
मोबाइल : 7534805152, 8057800800

ई-मेल : jilanazar@gmail.com

वेबसाइट : www.jilanazar.in

RNI पंजीकरण संख्या : UPHIN/2025/A3912

सभी विवादों का क्षेत्राधिकार आगरा न्यायालय होगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर सात मिनट तक आसमान में फंसा

हाजीपुर में हड़कंप, सीएम की उड़ान में आई तकनीकी समस्या

बिहार (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर शुक्रवार को हाजीपुर के अक्षयवट राय स्टेडियम से टेक-ऑफ करने के कुछ देर बाद करीब 7 मिनट तक आसमान में चक्कर काटता रहा। इस अप्रत्याशित घटना से मैदान में मौजूद लोगों और सुरक्षा कर्मियों में भारी खलबली मच गई।

जानकारी के अनुसार, सम्राट चौधरी हाजीपुर में रजिस्ट्री ऑफिस का निरीक्षण करने के बाद पटना वापस लौट रहे थे। हेलीकॉप्टर के टेक-ऑफ के तुरंत बाद तकनीकी समस्या के कारण पायलट उसे सामान्य ऊंचाई पर नहीं ले जा सका और वह लगातार चक्कर लगाता रहा। नीचे खड़े लोग इस दृश्य को देखकर हैरान रह गए। कई लोगों ने दुर्घटना का अंदेशा जताया। लगभग सात मिनट बाद हेलीकॉप्टर सुरक्षित रूप से लैंड कर लिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उनके स्टाफ को कोई चोट नहीं



आई। घटना की वजह की जांच की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर रहीं। यह घटना बिहार में चर्चा का विषय बन गई है।

भाजपा की जिला बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने का आह्वान

जिला नजर संवाददाता

मुरैना/मप्र। भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की मासिक बैठक शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए कमलेश कुशवाहा ने कहा कि भाजपा अंत्योदय और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ, शक्ति केन्द्र और मंडल स्तर पर संगठन विस्तार को सर्वव्यापी बनाने तथा पूरी निष्ठा के साथ जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल प्रशिक्षण अभियान को प्रत्येक मंडल में



निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही जिन मंडलों ने बड़ी संख्या में डिजिटल प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र डाउनलोड किए और मन की बात कार्यक्रम की सफल फीडिंग की, उनकी सराहना करते हुए अन्य मंडलों से भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

जिला मीडिया प्रभारी दिलीप दंडोतिया ने बताया कि बैठक में जिला महामंत्री सोनू परमार, महेंद्र यादव, सुनील जाटव, हमीर सिंह पटेल, आयुष शर्मा सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं मंडल महामंत्री बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दर्द को न समझें सामान्य समस्या

समय पर इलाज दिला सकता है स्थाई राहत:- डॉ ओम जी तिवारी

जिला नजर संवाददाता

लखनऊ। दर्द केवल एक सामान्य लक्षण नहीं बल्कि शरीर का वह महत्वपूर्ण संकेत है जो किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या की ओर इशारा कर सकता है। यदि दर्द लंबे समय तक बना रहे तो यह व्यक्ति की कार्यक्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में आधुनिक पेन मैनेजमेंट तकनीकों की मदद से बिना सर्जरी भी कई प्रकार के पुराने और जटिल दर्द का प्रभावी उपचार संभव है। डॉ. ओम जी तिवारी ने बताया

कि दर्द मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है। पहला तीव्र दर्द (एक्यूट पेन), जो चोट, संक्रमण, ऑपरेशन या सूजन के कारण अचानक होता है और उचित उपचार से कुछ दिनों या सप्ताह में ठीक हो जाता है। दूसरा दीर्घकालिक दर्द (क्रॉनिक पेन), जो तीन महीने या उससे अधिक समय तक बना रहता है। इसमें कमर दर्द, गर्दन दर्द, घुटनों का दर्द, नसों का दर्द, कंधे का दर्द शामिल हैं। फिजियोथेरेपी, पुनर्वास तथा जीवनशैली में सुधार जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

उन्होंने सलाह दी कि यदि दर्द लगातार बना रहे, रात में बढ़ जाए, हाथ-पैरों में सुनपन या कमजोरी महसूस हो, दर्द के कारण नींद प्रभावित हो रही हो या सामान्य दर्द निवारक दवाओं से राहत न मिल रही है।

दर्द से बचाव के लिए सही शारीरिक मुद्रा अपनाना, नियमित व्यायाम करना, वजन नियंत्रित रखना लंबे समय तक एक ही स्थिति में न बैठना, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को नियंत्रित रखना तथा बिना चिकित्सकीय



सलाह के लंबे समय तक दर्द निवारक दवाओं का सेवन न करना आवश्यक है।

इंस्टाग्राम हैक कर ब्लैकमेल का आरोप

• पूर्व प्रेमिका की तस्वीरें एडिट कर वायरल करने की धमकी, पुलिसकर्मी के बेटे पर आईटी एक्ट में मुकदमा

जिला नजर संवाददाता

झांसी। नवाबाद थाना क्षेत्र में साइबर ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया है। एक युवती ने अपने पूर्व प्रेमी राज श्रीवास पर इंस्टाग्राम आईडी हैक कर निजी तस्वीरों का दुरुपयोग करने, उन्हें एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने और बदले में रुपये मांगने का आरोप

लगाया है।

पीड़िता का कहना है कि आरोपी पुलिस विभाग में कार्यरत एक पुलिसकर्मी का बेटा है, जिसके चलते प्रारंभिक शिकायत के बावजूद स्थानीय स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। शिकायत के आधार पर

नवाबाद थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम समेत अन्य संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी ताकि डिजिटल साक्ष्य जुटाए जा सकें।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने यह भी कहा कि साइबर अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।



अपहरण प्रयास का आरोप, सीओ से गुहार

मारपीट, धमकी और समझौते के दबाव का आरोप, पीड़ित परिवार ने सुरक्षा व सख्त कार्रवाई की मांग की

जिला नजर संवाददाता

मऊरानीपुर/झांसी। कोतवाली मऊरानीपुर क्षेत्र की रानीपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम देवरी सिंहपुरा की एक महिला ने अपने पुत्र के कथित अपहरण के प्रयास, मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए पुलिस को त्राधिकारी (सीओ) मऊरानीपुर से न्याय की गुहार लगाई है।



पीड़िता सीता देवी पत्नी आशाराम के अनुसार, 7 जुलाई की सुबह उनका पुत्र देशराज खेत जा रहा था, तभी गांव के कुछ लोगों ने उसे घेरकर कथित रूप से अपहरण का प्रयास किया। शिकायत में आरोप है कि देशराज के शोर मचाने पर आशाराम और रहीश

मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आशाराम के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किए जाने तथा रहीश के तीन दांत टूटने और हाथ में गंभीर चोट लगने का भी आरोप है। शोर सुनकर ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए और जाते समय जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार के अनुसार, पुलिस ने

अपराध संख्या 284/2026 के तहत बीएसए की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मेडिकल कराया है। वहीं परिवार का आरोप है कि आरोपी अब समझौते का दबाव बना रहे हैं। पीड़ितों ने निष्पक्ष जांच, कड़ी कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।



बिना कागजात दौड़ रहे वाहन सीज

जिला नजर संवाददाता

झांसी। मऊरानीपुर में बिना कागजात और यातायात नियमों की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है।

शनिवार को तहसील रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय के पास आपे और स्कूटी की टक्कर के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रत्नेश्वर सिंह ने जांच के दौरान दोनों वाहनों को सीज कर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार, टक्कर के बाद दोनों वाहन चालकों के बीच कहासुनी हो रही थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे सीओ ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों से पूछताछ

की। जांच में आपे चालक के पास वाहन के आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले। वहीं स्कूटी चालक बिना हेलमेट, बिना कागजात और नाबालिग पाया गया। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए तत्काल दोनों वाहनों को सीज कर दिया गया। सीओ रत्नेश्वर सिंह ने कहा कि नगर में बिना लाइसेंस, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने तथा बिना वैध दस्तावेजों के संचालित वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर पालिका की दुकान निर्माण पर भड़के व्यापारी



मऊरानीपुर/झांसी। मऊरानीपुर के टीकमगढ़ बस स्टैंड स्थित पावर हाउस के बाहर नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे दुकान निर्माण कार्य के विरोध में शनिवार को छोटे दुकानदारों ने प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने निर्माण कार्य पर तत्काल रोक, निष्पक्ष जांच और उनके रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। दुकानदारों का कहना है कि वे वर्षों से गुमटी और खोखे लगाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। उनका आरोप है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें हटाया जा रहा है, जिससे कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका दावा है कि संबंधित भूमि विद्युत विभाग की है और इस संबंध में दस्तावेज भी प्रशासन को सौंपे गए हैं। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया है। वहीं नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सर्वेश कुमार ने कहा कि संबंधित भूमि नगर पालिका की है, जहां अवैध अतिक्रमण हटाकर नियमानुसार नगर पालिका स्वामित्व वाली दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है। फिलहाल भूमि स्वामित्व को लेकर दोनों पक्षों के दावे आमने-सामने हैं। अब प्रशासनिक जांच और आगामी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

आज हरियाली का महाअभियान



झांसी। पर्यावरण संरक्षण और हरित झांसी के संकल्प के साथ रविवार, 12 जुलाई को जिले में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज परिसर में पौधारोपण कर करेंगे। इस अवसर पर वह स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से लक्ष्य पूरा करने तथा पौधों के संरक्षण और नियमित देखरेख के निर्देश दिए। जिले में जनभागीदारी के माध्यम से 1 करोड़ 2 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वन विभाग, नगर निगम, शिक्षा विभाग, पंचायतीराज सहित विभिन्न विभागों को अलग-अलग लक्ष्य सौंपे गए हैं। ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, सरकारी परिसरों, सार्वजनिक स्थलों और सड़कों के किनारे बड़े पैमाने पर पौधारोपण होगा। प्रशासन ने नागरिकों से भी अभियान में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को सफल बनाने की अपील की है।

स्कूल से लौटते भाइयों पर हमला

19 युवकों ने लोहे की रॉड से की मारपीट, 9 नामजद समेत 19 पर मुकदमा, सीसीटीवी फुटेज से जांच तेज

जिला नजर ब्यूरो

झांसी। नगर में स्कूल से घर लौट रहे दो भाइयों पर दिनदहाड़े 19 युवकों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में 11वीं कक्षा का छात्र और उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने 9 नामजद और 10 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार के अनुसार, स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों भाई घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले

से घात लगाए बैठे युवकों ने उन्हें घेर लिया और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को बचाया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही सभी की गिरफ्तारी की जाएगी। प्रारंभिक जांच में हमले के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई गई है। फिलहाल दोनों



घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है, जबकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था

बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

अंशुला कपूर की वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी कपूर का खास अंदाज

अंशुला कपूर की वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी ने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की सिल्क साड़ी पहनी थी, जिसे उन्होंने स्ट्रैपलेस ब्लाउज के साथ कैरी किया। उनका ये एलिगेंट लुक सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। लेकिन इस बीच उन्होंने अपनी मेहंदी से सबको हैरान कर दिया। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर फंक्शन की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में उनकी मेहंदी में शिखु नाम लिखा नजर आया, जो उनके बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का निकनेम है। यह नाम बहुत ही सटल तरीके से डिजाइन में शामिल किया गया था, जो उनके रिश्ते की एक प्यारी झलक देता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक-दूसरे को बचपन से जानते हैं। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। साल 2016 में उनके रिश्ते की खबरें सामने आई थीं, लेकिन 2018 में जाह्नवी की फिल्म धड़क के बाद दोनों के अलग होने की बात भी सामने आई। हालांकि, 2023 में दोनों को पार्टियों में, वेकेशन पर, अनंत अंबानी की शादी के फंक्शन्स में और मंदिरों में कई बार साथ देखा गया। इसके बाद से फैस को लगा कि दोनों फिर से साथ आ गए हैं।

दोनों को अक्सर तिरुपति मंदिर में भी साथ देखा गया है। यह पहली बार नहीं है जब जाह्नवी ने शिखर के लिए अपने प्यार का इशारा दिया हो। इससे पहले 2024 में फिल्म मैदान की स्क्रीनिंग के दौरान वह शिखु नाम का नेकलेस पहनकर नजर आई थीं। वहीं, कॉफी विद करण शो में भी उन्होंने गलती से शिखर का नाम अपने स्पीड डायल में होने की बात कह दी थी, जिसके बाद उनके रिश्ते की चर्चा और तेज हो गई थी। शिखर पहाड़िया महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की नाती हैं। वह बिजनेसवुमन स्मृति शिंदे और बिजनेसमैन संजय पहाड़िया के बेटे हैं। शिखर एक एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर हैं और मुंबई के हाई-प्रोफाइल सर्कल में एक जाना-पहचाना नाम हैं।

अभी भी मेरे काम से पहले वजन को देखा जाता है- अंजलि आनंद



'अंजलि आनंद इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धमाल 4 को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बॉडी शेमिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि 2026 में भी महिलाओं के रूप-रंग को लेकर होने वाली चर्चाएं उनके काम पर हावी रहती हैं। उन्होंने फिल्म 'धमाल 4' में अपनी भूमिका पर मिली प्रतिक्रिया और अपने वजन को लेकर हो रही ट्रेलिंग के बारे में बताया कि समाज आज भी महिलाओं की प्रतिभा को पहचानने से पहले उनके रूप-रंग को देखकर उनका आकलन करता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने 'धमाल 4' के ट्रेलर पर मिली प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं हर चीज से अभिभूत हूँ। मुझे उम्मीद है कि सभी को फिल्म पसंद आएगी और सब कुछ ठीक हो जाएगा। उम्मीद है कि इससे मुझे और भी अच्छे रोल मिलेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह निराशाजनक है कि महिला अभिनेत्रियों के बारे में चर्चाएं आज भी उनके काम के बजाय उनके वजन के इर्द-गिर्द घूमती हैं? इस पर अंजलि ने कहा कि यह समाज की मानसिकता को दर्शाता है। हाँ, और मुझे लगता है कि यह अभी भी हो रहा है, क्योंकि समाज अभी भी उसी सोच को दर्शाता है। समाज अभी भी मानता है और अभी भी मेरे काम से पहले मेरे वजन को देखा जाता है। इसलिए जब तक ऐसा होता रहेगा, तब तक मैं यह काम करती रहूँगी, यह साबित करने के लिए कि यह गलत है। महिलाओं के लिए बेहतर रोल लिखने के मामले में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मैं यही करने की कोशिश कर रही हूँ। जितने ज्यादा लोग मुझे देखेंगे, उनकी सोच उतनी ही खुलेगी। वे यह मानने लगेंगे कि वे इस एक्टर और इस रोल के लिए कुछ बेहतर लिख सकते हैं, ऐसा कुछ जिसमें सिर्फ उनके शरीर का नहीं, बल्कि उनके हुनर का इस्तेमाल हो।

लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन भारत का रहा दबदबा

लंदन। लॉर्ड्स में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच एकमात्र महिला टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों के तीन अर्धशतकों के बावजूद टीम 285 रन पर सिमट गई। जवाब में इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 11 ओवर में एक विकेट पर 21 रन बना लिए। मेजबान टीम अभी भारत के स्कोर से 264 रन पीछे है। स्टंप्स के समय माया बाउशियर 17 रन और हीदर नाइट एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थीं। भारत को एकमात्र सफलता तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दिलाई, जिन्होंने टैमी ब्यूमोंट (2) को पवेलियन भेजा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया शुरुआती सात ओवरों में ही आउट हो गईं, जिससे टीम का स्कोर 37 रन पर दो विकेट हो गया। इसके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े और टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। दोनों बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव



बनाए रखा। स्मृति ने तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर और स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के खिलाफ आकर्षक शॉट लगाए, जबकि

जेमिमा ने भी तेज रन बटोरे। हालांकि, ईसी वॉग की गेंद पर जेमिमा 35 रन बनाकर बोल्ल हो गई। जेमिमा के आउट होने के

बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्मृति का अच्छा साथ निभाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। स्मृति अपने शतक की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन 108 गेंदों पर 83 रन बनाकर आउट हो गईं। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

दूसरी ओर हरमनप्रीत ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल थे। चाय तक भारत का स्कोर पांच विकेट पर 202 रन था। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने निचले क्रम में जिम्मेदारी संभाली और स्नेह राणा के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को 250 रन के पार पहुंचाया। दीप्ति ने 87 गेंदों पर 57 रन की उपयोगी पारी खेली और सात चौके लगाए। हालांकि, एक समय 190 रन पर केवल तीन विकेट गंवाने वाली भारतीय टीम अंतिम सात विकेट 85 रन के भीतर गंवा बैठी और 74.5 ओवर में 285 रन पर ऑलआउट हो गई।

एक्लेस्टोन ने बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 68 रन देकर तीन विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उनके अब 338 अंतरराष्ट्रीय विकेट हो गए हैं और उन्होंने कैथरीन सिवर-ब्रंट (335 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। ईसी वॉग ने दो विकेट झटकें, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी नियमित अंतराल पर विकेट लेकर भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

दिन के अंत में भारत को मिली शुरुआती सफलता

285 रन पर भारत को समेटने के बाद इंग्लैंड ने सतर्क शुरुआत की, लेकिन क्रांति गौड़ ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर भारत को शुरुआती सफलता दिला दी। इसके बाद माया बाउशियर और हीदर नाइट ने बिना कोई और नुकसान होने दिए दिन का खेल समाप्त किया।